Chapter 9. पर्यावरण और धारणीय विकास : धारणीय विकास का अर्थ एवं कार्य Economics- class 11th:Hindi Medium CBSE Notes

धारणीय विकास : ऐसा विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुँचाए हो और आर्थिक विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदुषणरहित हो जो भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ एवं अधिक संसाधन उपलब्ध कर सके तो इसे धारणीय विकास कहते हैं |

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण और विकास सम्मेलन द्वारा धारणीय विकास की परिभाषा :

"ऐसा विकास जो वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकताओं पूर्ति भावी पीढ़ियों की आवश्यकताओं की पूर्ति में बिना समझौता किए पूरा करे |"

ब्रूटलैंड कमीशन द्वारा धारणीय विकास की परिभाषा : "हमारा नैतिक दायित्व है कि वर्त्तमान पीढ़ी को आगामी पीढ़ी द्वारा एक बेहतर पर्यावरण उतराधिकार के रूप में सौपा जाना चाहिए | कम से कम हमें आगामी पीढ़ी के जीवन के लिए अच्छी गुणवता वाली परिसंपतियों का भंडार छोड़ना चाहिए, जो कि हमें अपने पिछली पीढ़ी से विरासत के रूप में प्राप्त हुआ है |"

धारणीय विकास एवं आर्थिक विकास में अन्तर :

धारणीय विकास :

(i) धारणीय विकास में प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में दीर्घकालीन वृद्धि होती है |

(ii) इससे वर्तमान एवं भावी पीढ़ियों के आर्थिक कल्याण में वृद्धि होती है |

(iii) यह पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदुषण से बचाव पर विशेष बल देती है |

(iv) इसमें प्राकृतिक पूँजी का उचित प्रयोग होता है जिससे भावी पीढ़ियों के हितों की रक्षा की जा सके |

आर्थिक विकास :

(i) इसमें प्रति व्यक्ति आय में दीर्घकालिक वृद्धि होती है |

(ii) इसमें वर्त्तमान पीढ़ियों के आर्थिक कल्याण में वृद्धि होती है |

(iii) यह पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदुषण को महत्व नहीं देती है |

(iv) इसमें प्राकृतिक पूँजी का शोषण होता है |

धारणीय विकास के लिए अनिवार्य शर्तें :

(i) मानव जनसँख्या को पर्यावरण की धारण क्षमता के स्तर तक सिमित करना |

(ii) प्रौद्योगिकी प्रगति आगत-कुशल होना चाहिए न कि आगत का उपभोग करने वाली |

(iii) नवीकरणीय संसाधनों की प्राप्ति धारणीय आधार पर की जानी चाहिए |

(iv) गैर-नवीकरणीय संसाधनों के रिक्तिकरण की दर नवीकरणीय प्रतिस्थापकों की संवृद्धि की दर से अधिक नहीं होनी चाहिए |

(v) प्रदुषण से उत्पन्न अक्षमताओं का सुधार किया जाना चाहिए |

धारणीय विकास की प्राप्ति के उपाय :

(i) अधिक से अधिक उर्जा के गैर-परंपरागत स्रोतों का उपयोग |

(ii) बायोमास ईंधन के उपयोग के बजाय गैसों का प्रयोग |

(iii) वन विनाश पर रोक |

(iv) अधिक से अधिक जलीय विद्युत संयंत्रों की स्थापना |

(v) पारंपरिक व्यवहारों का उपयोग ताकि पर्यावरण की अनुकूलता बनी रहे |

(vi) कृषि के लिए जैविक कम्पोस्ट का उपयोग और जैविक कृषि को बढ़ावा |

पर्यावरण का महत्व (Significance of Environment)

पर्यावरण का महत्व निम्नलिखित है :

(i) हमारा पर्यावरण सभी प्रकार के उत्पादनों के लिए संसाधन प्रदान करता हैं |

(ii) उत्पादन तथा उपभोग गतिविधियों द्वारा सृजित अपशिष्टों को पर्यावरण ही आत्मसात कर दिया |

(iii) पर्यावरणीय वातावरण का आनंद उठाता है और जीवन की गुणवता को बढाता है |

(iv) पर्यावरण जीवों के जीवन का स्रोत है अत: यह जीवन धारण में सहायक है |